बुन्देली की शान

ईसुरी महान

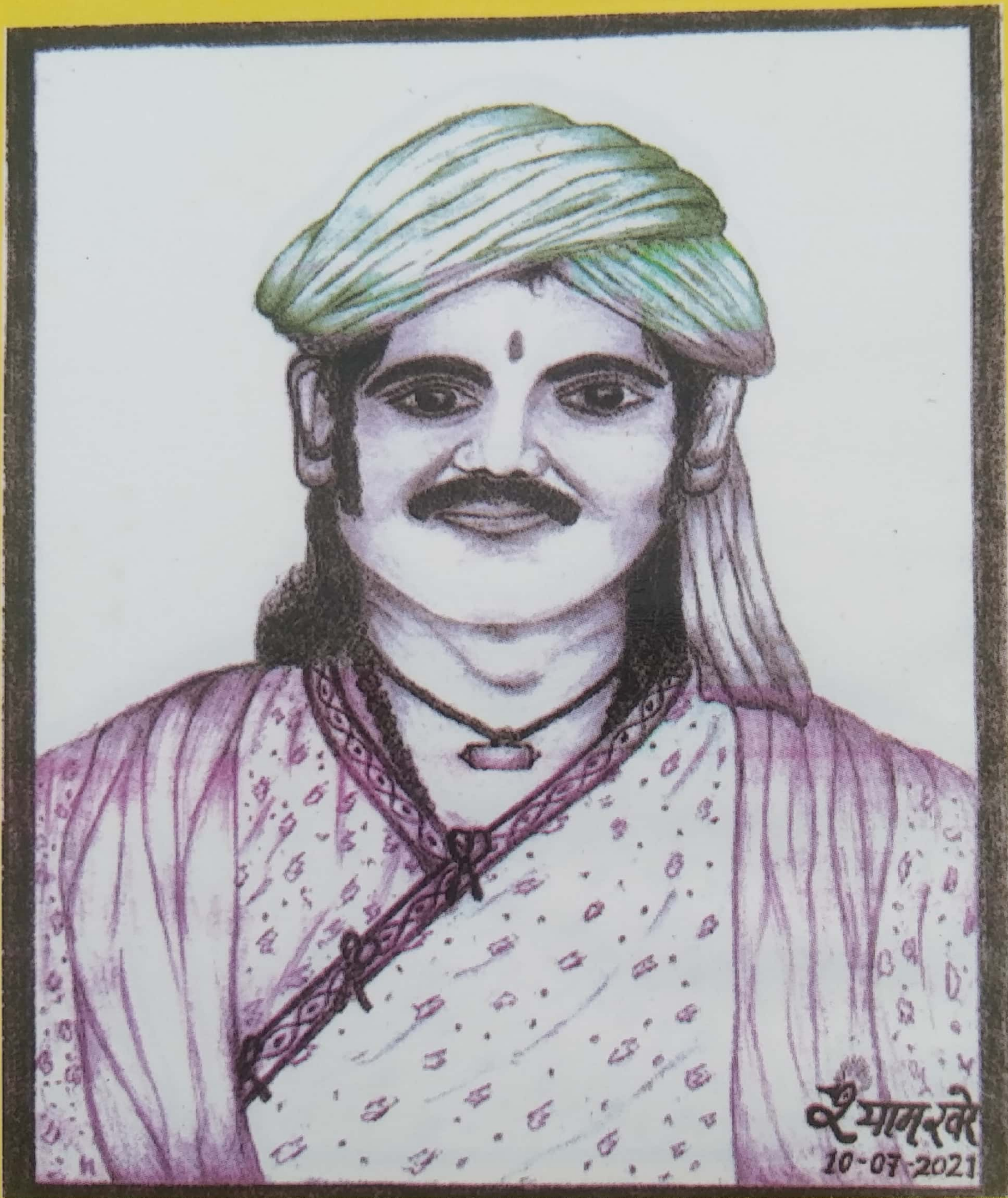

लेखक-

आर0डी0 चौरसिया

Scanned with OKEN Scanner

बुंदेली की शान, ईसुरी महान

लेखक–

आर0डी0चौरसिया (एम0ए0 म्यूजिक)

(COPY RIGHT Reg. No.-
L- 102182/2021)

नोट– कोई भी सज्जन इस पुस्तक के किसी भी अंश की नकल करने का प्रयास न करें अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

सर्वाधिकार– लेखक के अधीन है।

प्रकाशन वर्ष– 2021

लेखक के पश्चात् सर्वाधिकार– मानसी चौरसिया, श्रीमती कुमकुम चौरसिया C/O श्री धर्मेन्द्रदेव चौरसिया, लवकुशनगर (म0प्र0) एवं श्रीमती संगीता चौरसिया।

कम्प्यूटर टाइपिंग– श्री नन्दराम रजक एवं श्री जयकुमार प्रजापति।

Scanned with OKEN Scanner

चित्रांकन एवं फोटोग्राफी– श्री श्यामस्वरूप खरे, लवकुशनगर (म0प्र0)।
आवरण– जिला सहकारी संघ, छतरपुर(म.प्र.)
मूल्य– 150 रूपये मात्र
नोट– पुस्तक से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्यायालयीय क्षेत्र लवकुशनगर, जिला छतरपुर (म0प्र0) होगा।
विशेष– पुस्तक में अंकित समस्त संबंधी सामग्री पुस्तकों के आधार पर अंकित की गई है। पुस्तक नाटक के रूप में होने के कारण आवश्यक कल्पना की गई है। ताकि वास्तविक तथ्य को स्पष्ट किया जा सके। मूल पात्र ज्यों के त्यों हैं।

पुस्तक में प्रकाशित समस्त सामग्री का प्रकाशक से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
प्रकाशक– श्रीमती संगीता चौरसिया, प्राचार्य सरस्वती संगीत महाविद्यालय लवकुशनगर (लौंडी), जिला छतरपुर, म0प्र0।
मुद्रक–जिला सहकारी संघ, छतरपुर (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. नीरज चौरसिया

भारती प्राद्योगिकी संस्थान (IIT) दिल्ली

हौज खास, नई दिल्ली–110016

'बुंदेली की शान ईसुरी महान' पुस्तक वास्तव में बुंदेली के महान कवि ईसुरी जो ना केवल अपनी लोक भाषा में बात करते थे बल्कि काव्य के स्वरूप में ही उनकी बात होती थी। इस पुस्तक के लेखक श्री आर.डी. चौरसिया जी द्वारा ईसुरी के जीवन चरित्र को 82 दृश्यों के माध्यम से समझाने की कोशिश की गई है। इस पुस्तक को पढ़ने के पश्चात, मैं यह कह सकता हूँ कि वास्तव में यह पुस्तक महाकवि ईश्वरी के जीवन को लेकर उकेर कर रख देती है। विभिन्न दृश्यों के माध्यम से ईसुरी के जीवन की विकट परिस्थितियों को दर्शाया गया है तथा यह देखा जा सकता है कि इन परिस्थितियों के पश्चात भी वे कितनी ईमानदारी, सहनशीलता और स्वाभिमान को बनाए रखते हुए जीवन भर कामयाब रहे। यदि आप महाकवि ईसुरी के जीवन को समझना चाहते हैं तो यह पुस्तक सहज और सरल भाषा में लिखी गई है जिसके माध्यम से आप उनके जीवन को आसानी से समझ सकेगें।

(डॉ0 नीरज चौरसिया)

भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान (आई0आई0टी0) दिल्ली

हौज खास, नई दिल्ली–110016

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

दृश्य क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
1	प्रो0 राजेश सिंह तथा शालिनी की बातचीत	2
2	शालिनी का ईसुरी के घर जाना	4
3	ईसुरी के मामा का ईसुरी के घर पहुँचना	6
4	ईसुरी को गोद लेना	8
5	ईसुरी के मामा का ईसुरी को लेकर अपने घर पहुँचना	9
6	ईसुरी के मामी को पुत्र पैदा होना	9
7	ईसुरी के विवाह के लिये सीगौन से भोलेनाथ मिसर का आना	10
8	मिसर जू का टीपना मिलवाकर आना	12
9	ईसुरी की पत्नी की विदा की तैयारी होना	13
10	ईसुरी की पत्नी की विदा होकर जाना	14
11	ईसुरी की पत्नी व मामी का वाद विवाद	14
12	ईसुरी का अपने मामा–मामी से आज्ञा लेकर सीगौन (ससुराल) चला जाना	16
13	ईसुरी और उनकी पत्नी का ईसुरी की ससुराल पहुँच जाना	17
14	सीगौन पहुँचकर ईसुरी का अपने सास–ससुर से मिलना	17
15	ईसुरी का अपने ससुर के साथ नाज की दुकान पर पहुँचना	18
16	ईसुरी का अपने सास–ससुर के पास बैठकरजगजीत सिंह के यहाँ काम करने की अनुमति लेना।	18

Scanned with OKEN Scanner

दृश्य क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
17	ईसुरी का जगजीत सिंह के यहाँ काम प्रारंभ करना	19
18	जगजीत सिंह का ईसुरी से अपनी जमीदारी के बारे में कुछ पूँछना	20
19	ईसुरी का रज्जू राजा से मिलना (प्रथम मिलन)	20
20	ईसुरी का जगजीत सिंह के साथ खेतों पै जाना	22
21	रज्जू राजा तथा भौजी का खेत पै जाना	23
22	रज्जू राजा, भौजी तथा ईसुरी का बगिया पर पहुँचना तथा रज्जू राजा से मिलन	24
23	श्यामबाई का ईसुरी को पंखा झलना एवं एक ईसुरी की चौकड़िया सुनाना	25
24	जगजीत सिंह का ईसुरी को चोरी का इल्जाम लगाना	26
25	ईसुरी को पेड. पर उल्टा टांगकर जगजीत सिंह द्वारा पिटाई करवाना	27
26	पंडित जी के घर पर ईसुरी, रज्जू राजा और भौजी का पुनर्मिलन	30
27	ईसुरी का जंगल में नदी किनारे एक गीत गाना	32
28	ईसुरी का ठठेवरा जाकर भुन्दो माफीदारके यहाँ जाकर काम करने लगना	33
29	ईसुरी का भुन्दो माफीदार के यहाँ बीमार पड जाना	34
30	जगजीत सिंह का अपने भाई को बुलवाने के लिये कहना	35

Scanned with OKEN Scanner

दृश्य क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
31	जगजीत सिंह का भाई एवं नौकर का ईसुरी को बुलाने के लिये कहना	35
32	जगजीत सिंह का भाई एवं नौकर का ईसुरी को लिवाने के लिये ग्राम ठठेवरा जाना	36
33	ईसुरी का जगजीत सिंह के पास पुनः आना	37
34	ईसुरी और श्याम बाई की बातचीत	37
35	रजऊ का विदा होकर जाना	40
36	ईसुरी और जगजीत सिंह का तहसीलदार की अदालत में मुकदमा	41
37	ईसुरी को किलेदार का पत्र प्राप्त करना	43
38	ईसुरी और भयामबाई का बगौरा जाना	43
39	ईसुरी का पंडित चतुर्भुज किलेदार से मिलना	44
40	पंडित चतुर्भुज किलेदार की जमीदारी बिक जाना	45
41	ईसुरी तथा भौजी का रास्ते में संवाद	45
42	दो फगवारों का रज्जब अली द्वारा जमीदारी खरीदने की चर्चा	46
43	रज्जब अली का पत्र लेकर नौकरद्वारा ईसुरी के पास जाना	47
44	रज्जब अली के नौकर द्वारा पत्र लेकर ईसुरी को सौंपना	47
45	ईसुरी का किलेदार के यहाँ जमीदारी बिकने का दुःख मनाने जाना	48
46	ईसुरी का रज्जब अली के पास पहुँचना एवं काम करने जाना	49
47	ईसुरी तथा उनकी पत्नी में आपस में चर्चा	50

Scanned with OKEN Scanner

दृश्य क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
48	ईसुरी तथा उनकी पत्नी का मेढ़.की चले जाना	50
49	रजऊ द्वारा स्वपन देखना, ईसुरी से बात करना एवं गीत गाना	51
50	ईसुरी को आबादी बेगम का पत्र प्राप्त होना	52
51	आबादी बेगम का नौकर, ईसुरी को जाकर पत्र देता है	52
52	ईसुरी तथा आबादी बेगम के नौकर की बातचीत	52
53	ईसुरी का आबादी बेगम के यहाँ कारिन्दा पद पर काम करने लगना	53
54	ईसुरी का फगवारों के साथ में फागें गाना	54
55	फगवारों की आपस में चर्चा का विषय किलेदार को पुनः जमीदारी का हिस्सा मिल जाना	56
56	ईसुरी का किलेदार के पास नौकर के बुलाये जाने पर जाना	57
57	गंगाधर व उनकी पत्नी की आपस में चर्चा	58
58	गंगाधर का ईसुरी के घर पर जाना	58
59	ईसुरी के घर पर गंगाधर तथा ईसुरी की पत्नी की चर्चा एवं काव्य परीक्षा	60
60	गंगाधर, ईसुरी और ख्यालीराम की फड़बाजी	63
61	ईसुरी का धीरे पण्डा से परिचय	68
62	ईसुरी तथा भौजी का गली में संवाद	70
63	ईसुरी का किलेदार से फड.बाजी हेतु अनुमति मांगना	71

Scanned with OKEN Scanner

दृश्य क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
64	ईसुरी तथा गंगाधर व्यास की छतरपुर में फड़बाजी	73
65	ईसुरी को फड़बाजी के बाद पत्नी के स्वास्थ्य खराब होने की सूचना मिलना, उनका घर चला जाना तथा उनकी पत्नी की मृत्यु हो जाना	76
66	ईसुरी द्वारा किलेदार से बृज जाने की अनुमति लेना	78
67	ईसुरी का बृज में जमुना किनारे बैठना एवं चौकडिया पढ़ना	78
68	ईसुरी का बृज में राधा कृष्ण के मंदिर में जाकर दर्शन करना एवं मूर्ति के सामने एक चौकडिया पढ.ना।	79
69	ईसुरी का बृज के दूसरे मंदिर में राधा–कृष्ण का दर्शन करना तथा फिर से एक चौकडिया पढ.ना।	80
70	ईसुरी का किलेदार के यहाँ वापस काम पर आना	80
71	ईसुरी का किलेदार से धवार जाने हेतु अनुमति लेना	81
72	धवार में ईसुरी के दामाद की मृत्यु सुनकर कुछ लोगों का पहुँचजाना तथा ईसुरी द्वारा अपनी पुत्री गुरन को समझाना	82
73	ग्राम बगौरा में अथाई पर ईसुरी तथा फगवारों का इकट्ठा होना व ईसुरी द्वारा उदासी की स्थिति में चौकड़िया पढना	83

Scanned with OKEN Scanner

दृश्य क्रमांक	विषय	पृष्ठ क्रमांक
74	कुछ फगवारों का ईसुरी के जीवन के बारे में समीक्षा करना	85
75	ईसुरी का ठाकुर भुमानी सिंह (एक सेवक) को अपनी पुत्री गुरन के यहाँ सूचना देकर भेजना (स्वयं की बीमारी हेतु)	88
76	ठाकुर भुमानी सिंह का गुरन के पास जाना एवं ईसुरी की बीमारी की सूचना देना	89
77	ईसुरी का अपनी पुत्री के साथ धवार आ जाना	90
78	गुरन तथा वैद्यजी की आपस में चर्चा	91
79	ईसुरी के सभी मित्रजनों का धवार पहुँचना व बातचीत करना	91
80	ईसुरी का अपने परम मित्र साधुराम एवं अपनी पुत्री से चर्चा एवं इसी अध्याय में ईसुरी की मृत्यु हो जाती है।	94
81	ईसुरी की ही लिखी हुई एक चौकड़िया "एक दिन जर जाने होरी सी" नेपथ्य में सुनाई पडती है।	97
82	शालिनी को ईसुरी के जीवन पर पी0एच0डी0 की उपाधि का प्राप्त होना	98

लेखक का परिचय

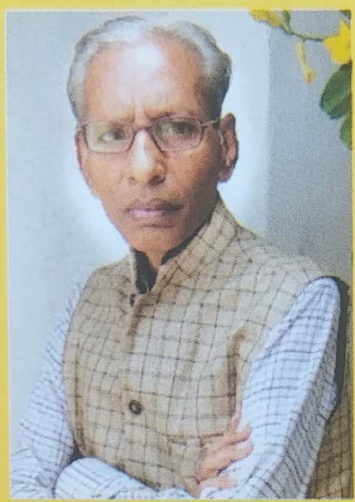

नाम	-आर. डी. चौरसिया
जन्म स्थान	-लवकुशनगर, जिला- छतरपुर (म.प्र.)
जन्म तिथि	-1 अप्रैल 1941
पिता	-स्व. पूज्य श्री गया प्रसाद चौरसिया
शिक्षा	-एम. ए. (संगीत गायन)
विशेष रूचि	-ऑस्ट्रोलौजी (ज्योतिष)
व्यवसाय	-शासकीय कर्मचारी (शिक्षक पद) से 31-03-2003 को सेवानिवृत।
पता	-आर.डी. चौरसिया, वार्ड क्र. 6 रिपटा चौराहा, लवकुशनगर
जिला	- छतरपुर (म.प्र.)- 471515
मो.	- 9993272436

Scanned with OKEN Scanner